

रक्तदान का महत्व

रक्तदान का महत्व हमें तब समझ में आता है जब हमारा कोई जिंदगी-मौत से जूझ रहा हो ।



हमारे रक्तदान किए गए रक्त से कई लोगों की जिंदगी बचती है। रक्तदान

का कितना महत्व है इसका अहसास हमें तब होता है जब हमारा कोई निकटतम व्यक्ति जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा होता है। रक्तदान कर हम जहां एक ओर किसी की जान बचाते हैं वहीं दूसरी ओर इससे जबर्दस्त आत्म संतुष्टि मिलती है। कई लोग रक्तदान को लेकर फैली भ्रांतियों के कारण रक्तदान करने से कतराते हैं जबकि इससे कोई हानि नहीं होती बल्कि कई प्रकार लाभ होते हैं। अतः हम सभी को रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए।

कई युवा इकाई द्वारा रक्तदान शिविर लगाकर प्रेरणादायी कार्य किया गया है। पीड़ितों की सेवा से बढ़कर कोई दूसरा कार्य नहीं हो सकता। रक्तदान इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका किसी फैक्ट्री में निर्माण नहीं हो सकता। आकस्मिक रूप हुई दुर्घटना में घायल और गंभीर रूप से पीड़ितों का जीवन बचाने के लिए दान किया गया रक्त ही काम आता है। अतः हमें रक्तदान के तत्पर रहना चाहिए।

18 से अधिक आयु के लोग जिनका वजन 50 किलोग्राम से अधिक है वह रक्तदान कर सकते हैं। नियमित अंतराल यानी तीन महीने बाद रक्तदान करते रहने से हमारे शरीर में आयरन की मात्रा संतुलित रहती है और रक्तदाता को हृदयाघात की संभावना नहीं रहती। नियमित रक्तदान करने से कैंसर सहित अन्य बीमारिया का खतरा भी कम हो जाता है। रक्तदान से सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि हमारे शरीर का वजन, ब्लड प्रेशर, हीमोग्लोबिन, मलेरिया, एचबीएसएजी, एचसीवी, वीडाआरएल आदि जांचें हो जाती हैं।

[Please click here to join us for updating Blood Group Data](#)